Newspaper : Nav Bharat Times
Edition: Delhi | Date: 2nd April, 2019 | Pg. : 04

कैसे शुरु करें बिजनेस, पढ़ने लगे स्टूडेंट्स

25 स्कूलों में पायलट प्रोजेक्ट, आंत्रप्रिन्योर्स पहुंचेंगे क्लास

Katyayani.Upreti
@timesgroup.com

कोर्स में कई आंत्रप्रिन्योर्स की सफलता की कहानियां स्टूडेंट्स को बताई जाएंगी

स्टूडेंट्स को मिलेगा नया नजरिया

- सीबीएसई एग्जाम के कारण बाकी 9 स्कूलों में यह 2 या 3 अप्रैल को होगा शुरू
- जुलाई में सभी सरकारी स्कूलों में यह करिकुलम पढ़ाया जाएगा
- क्लास 9, 10, 11 और 12 में आंत्रप्रिन्योरशिप करिकुलम का पायलट प्रोजेक्ट गर्मियों की छुट्टियों से पहले तक तक चलेगा।

■ **नई दिल्ली :** दिल्ली सरकार के स्कूलों में आंत्रप्रिन्योरशिप की पढ़ाई शुरू हो चुकी है। क्लास 9 से 12 तक के स्टूडेंट्स के लिए पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर यह करिकुलम 25 स्कूलों में चलेगा। 1 अप्रैल से 16 स्कूलों में आंत्रप्रिन्योरशिप करिकुलम शुरू किया गया, सीबीएसई के बोर्ड एग्जाम चलने की वजह से बाकी 9 स्कूलों में यह 2 या 3 अप्रैल को शुरू होगा। पायलट प्रोजेक्ट खत्म होने के बाद जुलाई में सभी सरकारी स्कूलों में यह करिकुलम पढ़ाया जाएगा।

स्टूडेंट्स अपने करियर के बारे एक क्रिटिकल नजरिए से सोच पाएं, इसी मकसद से सरकारी स्कूलों में आंत्रप्रिन्योरशिप करिकुलम लाया गया है। क्लास की शुरुआत माईंडफुलनेस एक्टिविटी से हो रही है, जो कि स्कूलों में नर्सरी से क्लास 8 तक चल रहे हैपीनेस करिकुलम का भी हिस्सा है। एजुकेशन मिनिस्टर मनीष सिसोदिया का कहना है कि स्टूडेंट अपनी पढ़ाई और करिकुलम को नए नजरिए से देखें, ना कि परंपरागत तरीके से, इसलिए हम इस एक्टिविटी को भी इस करिकुलम में लेकर आएं हैं, यह आपको ध्यान देने और सोचते की ताकत देती है। इसके अलवा, करिकुलम में कई एक्टिविटी हैं, कई सच्ची कहानियां हैं। देश के कई आंत्रप्रिन्योर्स की कहानी स्टूडेंट्स के बीच होगी, उनकी सफलता के साथ साथ फेल होने की कहानियों से भी स्टूडेंट्स को रुबरु कराया जाएगा। दिल्ली के आंत्रप्रिन्योर्स को हम क्लासों में ले जाएंगे, जहां वे अपने अनुभव साझा करेंगे और बच्चे उनके सवाल करेंगे।

क्लास 9, 10, 11 और 12 में आंत्रप्रिन्योरशिप करिकुलम का पायलट प्रोजेक्ट गर्मियों की छुट्टियों से पहले तक तक चलेगा। करिकुलम को इस तरह से क्लासों में बांटा गया है, ताकि पूरा सिलेबस कवर हो और उस पर फीडबैक मिल जाए। टीचर्स और स्टूडेंट्स से जो रिस्पॉन्स मिलेगा, उसके तहत करिकुलम में सुधार करा जाएगा और फिर नई किताबें लाई जाएगी। अभी के अनुभव के आधार पर जल्द सुधार किया जाएगा और मई-जून में टीचर्स की ट्रेनिंग होगी।

हैपीनेस करिकुलम की कहानियां काल्पनिक हैंको क्रिटिकल थिंकिंग यह करिकुलम फरवरी में दिल्ली सरकार ने लॉन्च किया। सरकार ने टीचर्स का फीडबैक भी लिया है, जिसमें 80% ने इस करिकुलम को आसान पाया। सोमवार को स्कूलों से फीडबैक लिया गया।

इस करिकुलम के साथ माईंडफुलनेस एक्टिविटी भी जोड़ी गई है, जो हैपीनेस करिकुलम में भी शामिल है और ध्यान लगाने का अभ्यास स्टूडेंट्स को कराती है। क्लास की शुरुआत इसी एक्टिविटी से की गई। पहले दिन स्टूडेंट्स के लिए 'स्वयं का मजेदार वर्णन' सेशन रखा गया, जो कि स्टूडेंट्स के लिए काफी मजेदार रहा। इसने क्लास में पॉजिटिव और मजेदार माहौल बना।